एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 02, अंक: 04 (जुलाई-अगस्त, 2022)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

दुधारू पशुओं में सींग संबंधित मुख्य बीमारियां एवं उपचार

(*अमित कुमार[1], नवीन कुमार[1] एवं आकाश[2])
[1]लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविध्यालय, हिसार, हरियाणा
[2]चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविधालय, हिसार, हरियाणा
संवादी लेखक का ईमेल पता: amitdhartterwal@gmail.com

पशुओं के सींग उनकी सुंदरता की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं। आमतौर पर भैंसों की नस्ल का बोध उनकी सींग की बनावट की वजह से होता है। सींगो की सुंदरता पशुओं की कीमत भी निर्धारित करती है इसलिए किसानों को चाहिए कि वे समय पर इनकी बीमारियों पर ध्यान दें व समय रहते इनका उपचार करवाएं ताकि इनकी सुंदरता और कीमत बनी रहे।

1. सींग का कैंसर

सींग का कैंसर भैंसों की अपेक्षा गाय व बैलों में अधिक पाया जाता है। खासतौर पर जिन पशुओं की उम्र 5 से 10 साल की होती है उनमें यह बीमारी ज्यादा देखी गई है । भारत में यह बीमारी गायों की कांकरेज (8—24%) नस्ल में ज्यादा मिलती है। इसमें सींग के अंदर मांस भर जाता है और सींग नरम पड़ जाता है। इसके बाद वह कमजोर होकर नीचे की तरफ लटक जाता है।

कारण —

- अल्ट्रावॉयलेट रेस, लगातार सींग की रगड़न और पेंट इत्यादि इसके मुख्य कारण बताए जाते हैं।
- आनुवांशिक पूर्ववृत्ति एवं सेक्स हार्मोन का असंतुलन होना भी इसका कारण पाया गया है

रोग लक्षण–

- रोग ग्रसित पशु लगातार अपने सर को हिलाता रहता है।
- सींग को कठोर वस्तु पर रगड़ना
- रक्त मिश्रित द्रव का आना
- सींग का एक तरफ झुका के रखना
- कई बार सींग टूट कर नीचे गिर जाता है एवं घाव बन जाता है और उसमें मक्खियां बैठने लगती है
- सींग में कीड़े पड़ना

उपचार एवं सावधानियां–

- सींग की समस्या देखते ही बिना देरी किए पशु को डॉक्टर को दिखाना चाहिए
- सर्जन द्वारा सींग एवं कैंसर के मांस को निकाल दिया जाता है और उसके बाद घाव पर प्रतिदिन लिक्विड बीटाडीन की पट्टी की जाती है एवं स्प्रे किया जाता है।
- कैंसर रोधी दवाएं भी सर्जन द्वारा बताई जाती है और इसका पूरा कोर्स करवाना चाहिए अन्यथा कैंसर का मांस फिर से बढ़ जाता है।

2. सींग का टूटना

कारण–

- पशुओं की आपस की लड़ाई के कारण
- खूंटे की चेन में सींग का फसना एवं उसके बाद पशु का जोर लगाना

उपचार–

- सींग के टूटने के तुरंत बाद बिना देरी किए सर्जन को दिखाना चाहिए
- सींग को जड़ से निकाल देना चाहिए
- रोजाना घाव की देखभाल करनी चाहिए अथवा सर्जन द्वारा बताया गया उपचार पूरा करवाना चाहिए

3. सींग का खोल/पोल उतरना

कारण

- पशु का किसी कठोर वस्तु के पास खुजाने से
- पशुओं के रखने का स्थान खुला ना होना व पशुओं के आप से लड़ाई होना
- कटघरे में सींग के फंसने से

उपचार–

- खोल उतरने के तुरंत बाद खून रोकने की कोशिश करनी चाहिए। उसके लिए टिंचर बेंजोइन की पट्टी करनी चाहिए एवं खून रोकने के टीके लगवाने चाहिए।
- घाव पर बीटाडीन की पट्टी करनी चाहिए एवं स्प्रे करना चाहिए
- 3 से 5 दिन तक दर्द के टीके लगवाने चाहिए
- पशुओं के बीच उपयुक्त दूरी होनी चाहिए ताकि वह लड़ ना सके।